समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

इंडोनेशिया मे 7.8 तीव्रता का भूकंप, तीन देशों मे सुनामी अलर्ट; तटीय इलाकों मे दहशत

Sanket Morankar Published on 02 Apr 2026

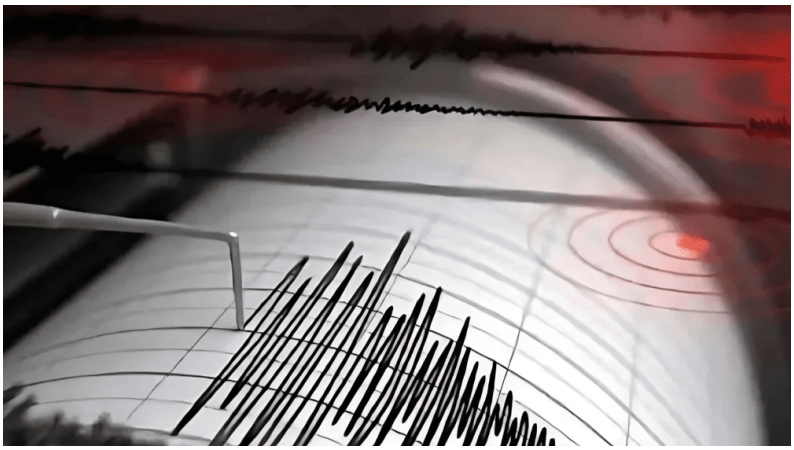

इंडोनेशिया में गुरुवार सुबह एक शक्तिशाली भूकंप ने धरती को हिला कर रख दिया, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। रिक्टर स्केल पर 7.8 तीव्रता वाले इस भूकंप के बाद इंडोनेशिया सहित तीन देशों—फिलीपींस और मलेशिया—में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। हालांकि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अनुसार, यह भूकंप 2 अप्रैल 2026 को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 6:48 बजे इंडोनेशिया के मोलुक्का सागर में आया। भूकंप का केंद्र जमीन के लगभग 10 किलोमीटर नीचे था, जो इसे और अधिक खतरनाक बनाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कम गहराई वाले भूकंप अधिक विनाशकारी होते हैं क्योंकि उनकी ऊर्जा सीधे सतह तक पहुंचती है।

भूकंप का केंद्र इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत में स्थित टर्नेट शहर से लगभग 120 किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। इस क्षेत्र में करीब दो लाख से अधिक लोग निवास करते हैं, जिससे खतरे की गंभीरता और बढ़ जाती है। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि आसपास के कई इलाकों में लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और सड़कों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

भूकंप के तुरंत बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि भूकंप के केंद्र से 1000 किलोमीटर के दायरे में आने वाले तटीय इलाकों में खतरनाक सुनामी लहरें उठ सकती हैं। इस चेतावनी के बाद इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के तटीय क्षेत्रों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

सुनामी एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है, जिसमें समुद्र में अचानक ऊंची लहरें उठती हैं और तटीय क्षेत्रों में भारी तबाही मचा सकती हैं। कई बार ये लहरें कई मीटर ऊंची होती हैं और अपने साथ इमारतों, वाहनों और लोगों को बहा ले जाती हैं। इसलिए जैसे ही सुनामी की चेतावनी जारी होती है, तटीय क्षेत्रों में तुरंत निकासी शुरू कर दी जाती है।

अधिकारियों ने लोगों को विशेष रूप से यह चेतावनी दी है कि यदि समुद्र का पानी अचानक पीछे हटता दिखाई दे, तो यह सुनामी आने का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत ऊंचे स्थानों की ओर भागना चाहिए। इसके अलावा, स्कूलों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर भी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान या जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद आने वाले झटके) का खतरा बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के बड़े भूकंप के बाद कई दिनों तक हल्के या मध्यम झटके महसूस किए जा सकते हैं, जिससे पहले से कमजोर संरचनाएं और भी नुकसान झेल सकती हैं।

इंडोनेशिया दुनिया के सबसे संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्रों में से एक है। यह देश "रिंग ऑफ फायर" नामक क्षेत्र में स्थित है, जहां पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेट्स लगातार सक्रिय रहती हैं। इसी वजह से यहां भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट जैसी घटनाएं आम हैं।

इतिहास गवाह है कि इंडोनेशिया में भूकंप और सुनामी ने कई बार भारी तबाही मचाई है। साल 2004 में हिंद महासागर में आए विनाशकारी भूकंप और सुनामी ने इंडोनेशिया के आचे प्रांत समेत कई देशों में तबाही मचाई थी, जिसमें करीब 2.30 लाख लोगों की मौत हुई थी। वहीं 2018 में सुलावेसी में आए भूकंप और सुनामी में भी हजारों लोगों की जान गई थी।

2022 में पश्चिम जावा के सियानजुर में आए 5.6 तीव्रता के भूकंप ने भी भारी नुकसान पहुंचाया था, जिसमें 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन घटनाओं को देखते हुए इंडोनेशिया सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां लगातार आपदा प्रबंधन को मजबूत करने में जुटी हैं।

वर्तमान स्थिति में, प्रशासन ने राहत और बचाव टीमों को अलर्ट पर रखा है। नौसेना और तटरक्षक बल को भी संभावित आपदा से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों को समय-समय पर अपडेट दे रहा है।

इस भूकंप का असर केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैश्विक प्रभाव भी हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सुनामी आती है, तो यह समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकती है, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में पहले से ही तनाव बना हुआ है।

फिलहाल, सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह भूकंप सुनामी में तब्दील होगा या नहीं। प्रशासन और वैज्ञानिक लगातार निगरानी कर रहे हैं और लोगों से अपील की जा रही है कि वे अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि प्राकृतिक आपदाएं किसी भी समय और कहीं भी आ सकती हैं। ऐसे में सतर्कता, तैयारी और सही समय पर कार्रवाई ही जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.